AMAR UJALA MY CITY PAGE 3 & 5

लविवि से मान्यता के लिए रिकॉर्ड आवेदन

कुल 21 कॉलेजों के आवेदन आए, इनमें से 13 राजधानी के, चार जिलों तक बढ़ा है विश्वविद्यालय का दायरा

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का दायरा बढ़ने के बाद इस साल यहां नए कॉलेज खोलने के लिए रिकॉर्ड आवेदन आए हैं। विश्वविद्यालय से इस साल चार अन्य जनपद जोड़े गए हैं। हालांकि चार जिले से कुल जितने आवेदन हैं, उससे डेढ़ गुने आवेदन अकेले लखनऊ जिले के ही हैं।

526 है लविवि से सहयुक्त कॉलेजों की संख्या

अगले साल पाठ्यक्रम संचालन के लिए इस साल कुल 21 आवेदन आए हैं। आमतौर पर कभी भी नए कॉलेज के लिए 10 से ज्यादा आवेदन नहीं आए हैं। इसमें भी सबसे ज्यादा 13 आवेदन लखनऊ से हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर चार कॉलेज सीतापुर जिले के हैं। हरदोई और लखीमपुर खीरी में दो-दो कॉलेज खोलने का प्रस्ताव है। रायबरेली जनपद से एक भी कॉलेज का प्रस्ताव नहीं आया है। अब कानपुर विवि के काफी कॉलेज लविवि से सहयुक्त हो गए हैं। लविवि से सहयुक्त कालेजों की कुल संख्या इस समय 526 है।

विश्वविद्यालय से इस साल जुड़े चार जनपदों में खुलने वाले नए कॉलेज पर मुहर लविवि से अनुमति के बाद ही लग पाएगी। माना जा रहा था कि इस बार पहला साल होने की वजह से संबद्धता के आवेदन कम होंगे पर इससे उलट इस साल रिकॉर्ड आवेदन आए हैं।

30 मार्च तक हो जाएगा फैसला

लखनऊ और लखनऊ विश्वविद्यालय से संयुक्त चार जनपद के कॉलेजों को 30 मार्च तक नए कोर्स की मान्यता और पुराने का स्थायीकरण कराने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न कर पाने पर कॉलेज अगले सत्र में दाखिले नहीं कर पाएंगे। लविवि के सभी जिलों में नए कॉलेज खोलने और पुराने कॉलेजों में नए कोर्स की मान्यता व पुराने कोर्स के स्थायीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 15 जनवरी निर्धारित थी। जिन कॉलेजों ने ऑनलाइन आवेदन कर दिया है, उनको पांच मार्च तक निरीक्षण के लिए पैनल लेना है। इसकी रिपोर्ट 30 मार्च तक लविवि को उपलब्ध करानी है। इसके बाद रिपोर्ट न मिलने पर कॉलेज को अगले सत्र में दाखिले लेने का हक नहीं होगा।

इन जिलों से आए नए कॉलेज के प्रस्ताव

लखनऊ

यशराज लॉ कॉलेज बाघामऊ गोमती नगर, शकुंतला देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरोजनी नगर, भगवान बख्श सिंह डिग्री कॉलेज खुशी विहार कनौसी, श्री श्याम मनोहर मेमोरियल लॉ कॉलेज निगोहां, सेंट एंथोनी पब्लिक कॉलेज राजाजीपुरम, आरएस लॉ कॉलेज कृष्णा नगर, टीडीएल लॉ कॉलेज कासिमपुर विरूहा, सरोज कॉलेज ऑफ लॉ अहिमामऊ, सरोज एजुकेशन अहिमामऊ, शॉर्प कॉलेज ऑफ एजुकेशन मामपुर बाना इटौंजा, सत्यभामा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, विमला कॉलेज मकदूमपुर, एसएमएस लॉ कॉलेज कासिमपुर विरूहा।

लखीमपुर खीरी

नवोदय महाविद्यालय खीरी, रीना वर्मा महाविद्यालय बाघमारा।

सीतापुर

डॉ. राम बख्श सिंह विद्यालय महाविद्यालय रामनगर मिर्जापुर, इपिक इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन भीरिया महोली, श्री सुंदरलाल जय नारायण वर्मा डिग्री कॉलेज ग्राम रसूलपुर, एसकेबी एजुकेशन बांसूर रामपुर मथुरा।

हरदोई

पायनियर डिग्री कॉलेज खास रोल संडीला, राम लड़ेती दीनानाथ बालिका महाविद्यालय निभापुर।

आज से पूरी तरह खुल जाएंगे उच्च शिक्षण संस्थान

लखनऊ। शासन के निर्देश के बाद सोमवार से सभी उच्च शिक्षण संस्थान सामान्य रूप से संचालित होने लगेंगे। हालांकि, संस्थानों में अभी भी ऑनलाइन कक्षाएं चलती रहेंगी। लविवि ने सभी विभागाध्यक्षों को सोमवार से सामान्य रूप से विभाग खोलने का निर्देश दिया है। लविवि व सहयुक्त कॉलेजों में इस समय सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं, इसलिए क्लास चलाना संभव नहीं होगा।

लविवि समेत कई डिग्री कॉलेज में सामान्य क्लास का संचालन शुरू हो चुका है, पर अभी भी सारे विद्यार्थी परिसर नहीं आ रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या बाहरी विद्यार्थियों के लिए आवास की है। छात्रावासों की क्षमता आधी कर देने से ये परेशान हैं। इसे देखते हुए संस्थान में पूरी तरह से सामान्य क्लास चलाने के साथ ऑनलाइन क्लास चलती रहेंगी।

प्रथम वर्ष को छोड़ सभी की हो रही परीक्षा : लविवि में इस समय सेमेस्टर परीक्षा चल रही है। सिर्फ प्रथम वर्ष की परीक्षा शुरू नहीं हुई है। उनकी क्लास ऑनलाइन संचालित हो रही हैं। शासन के निर्देश के बाद सामान्य क्लास चलाने के लिए सिर्फ प्रथम वर्ष के विद्यार्थी ही उपलब्ध होंगे।

विभागाध्यक्षों को दिए निर्देश

"शासन के निर्देश पर सभी विभागाध्यक्षों को सामान्य कक्षाएं चलाने का निर्देश जारी किया जा चुका है। हालांकि अभी ऑनलाइन क्लास का संचालन किया जाता रहेगा। - डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

दो शोधपत्र छपने के बाद ही बन सकेंगे पीएचडी गाइड

लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए आर्डिनेंस के तहत रखी शर्त

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और सहयुक्त कॉलेज के शिक्षकों को पीएचडी गाइड बनने के लिए शोधपत्र प्रकाशन की शर्त का पालन भी करना होगा। लविवि के नए ऑर्डिनेंस के अनुसार पीएचडी गाइड बनने के लिए प्रोफेसर को न्यूनतम पांच तथा एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर के कम से कम दो शोधपत्र प्रकाशित होने चाहिए।

ये शोधपत्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्य जर्नल में ही प्रकाशित होने पर मान्य किए जाएंगे। लविवि में इस साल के दाखिले इसी ऑर्डिनेंस के तहत होने हैं। लविवि के नए पीएचडी ऑर्डिनेंस को राजभवन की मंजूरी भी मिल चुकी है। इसके अनुसार हर साल पीएचडी में दाखिले होंगे। लविवि दाखिले की तैयारी भी शुरू कर चुका है। नए ऑर्डिनेंस के अनुसार न्यूनतम दो शोधपत्र प्रकाशन के बाद पीएचडी गाइड बनने का मौका मिलेगा। हालांकि, किसी विषय में जर्नल की संख्या कम होने पर कुलपति द्वारा उसमें छूट देने का प्रावधान किया गया है, लेकिन उचित कारण बताते हुए इसका आदेश जारी करना होगा। ऑर्डिनेंस में यह व्यवस्था है कि नए रिसर्च गाइड को इसका पूरा ब्यौरा देना होगा। पहले से पीएचडी करा रहे शिक्षकों के मामले में माना जाएगा कि वे शर्त पूरी करते हैं।

विभाग का इकलौता शिक्षक भी करा सकेगा पीएचडी

लविवि में पीएचडी के नए ऑर्डिनेंस पर मुहर लग चुकी है। एक बड़े बदलाव के तहत इस बार कॉलेज के शिक्षकों को पीएचडी गाइड बनने में सहूलियत मिली है। अब कॉलेज में इकलौता शिक्षक होने के बाद भी पीएचडी गाइड बन सकेंगे। हालांकि, कॉलेज के उस विभाग में परास्नातक की पढ़ाई होनी चाहिए। साथ ही शिक्षक को उसमें पढ़ाना भी चाहिए। अभी तक विभाग में न्यूनतम दो शिक्षक होना अनिवार्य था।

महिला शोधार्थियों को 240 दिन का मातृत्व अवकाश

नए ऑर्डिनेंस के तहत महिला शोधार्थियों को मातृत्व अवकाश के रूप में 240 दिन की छुट्टी शोध जमा करने की अधिकतम अवधि के दौरान दी जाए। ऑर्डिनेंस में पीएचडी की न्यूनतम अवधि 3 साल और अधिकतम 6 साल निर्धारित है। कुलपति को इस अवधि में एक साल की छूट देने का अधिकार दिया गया है। इसी तरह मातृत्व अवकाश की स्थिति में महिला शोधार्थी को भी एक साल तक की छूट देने की व्यवस्था है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगा वाइवा

नई व्यवस्था के अनुसार अगर परीक्षक किसी कारण से वाइवा लेने नहीं आ सका है तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इसकी व्यवस्था की जा सकती है। इसके साथ ही यह व्यवस्था भी होगी कि शोधार्थी अपना शोध ईमेल से भेज सके।

प्रो. आरके त्रिपाठी का निधन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के पूर्व डीन और विभागाध्यक्ष प्रो. आरके त्रिपाठी का रविवार को निधन हो गया। उनके निधन से विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के साथ ही पूरे विवि में शोक की लहर दौड़ गई। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रो. त्रिपाठी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा- मेरे गुरुवर मेरे आदर्श वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आरके त्रिपाठी जी के दुःखद निधन की सूचना मिली, उनका अंतिम आशीर्वचन मुझे आज प्रातः ही प्राप्त हुआ। वाणिज्य विभाग के शिक्षकों प्रो. राममिलन और प्रो अवधेश त्रिपाठी ने भी उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रो. राममिलन ने बताया कि हार्ट अटैक की वजह से उनका निधन रविवार शाम को हो गया।

HINDUSTAN PAGE 8

आज से पूरी तरह खुलेंगे एलयू और महाविद्यालय

अनलॉक

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय व इससे संबद्ध सभी महाविद्यालय व संस्थान सोमवार से पूरी तरह खुल जाएंगे। इनमें नियमित तौर पर पठन-पाठन का काम भी शुरू हो जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव बीपी कौशल ने इस संबंध में रविवार को आदेश जारी कर दिया है।

शासन ने 12 फरवरी को प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों को पूर्ण रूपेण खोलने का निर्देश दिया था। सभी विश्वविद्यालयों व संस्थाओं को इसके लिए निर्देश जारी किए थे। शासन के निर्देश के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी अपने परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों को खोलने का निर्णय लिया है। 15 फरवरी से सभी संस्थान व महाविद्यालय पूर्व की तरह चलने लगेंगे।। छात्रों का पठन-पाठन तथा अन्य गतिविधियां भी कोविड-19 से पहले की तरह शुरू हो जाएंगी। प्रभारी कुलसचिव बीपी कौशल ने सभी संकाय अध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, समन्वयकों, निदेशकों तथा प्राचार्यों को पूर्णरूपेण विवि, महाविद्यालय खोलने के संबंध में पत्र लिखा है।

करीब 11 महीनों के बाद गुलजार होगा विश्वविद्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय व महाविद्यालय करीब 11 महीने बाद फिर पूर्ण रूप से खुलने जा रहे हैं। इसके लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। महाविद्यालयों में भी अब चहल पहल बढ़ जाएगी। पहले जहां महाविद्यालयों में अभी सन्नाटा था वहीं अब यहां भी छात्रों के आने से रौनक बढ़ जाएगी। कोविड-19 की वजह से मार्च 2020 से विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में पठन-पाठन प्रभावित हुआ था। छात्रों की कक्षाएं ऑनलाइन चल रही थी। विश्वविद्यालय खुलने का छात्र छात्राओं ने स्वागत किया है। छात्रों ने इस पर खुशी जताई है और कहा कि अब फिर से पढ़ाई ढर्रे पर आ जाएगी।

ऑफलाइन परीक्षाएं चल रहीं

विश्वविद्यालय में ऑफलाइन परीक्षाएं चल रही हैं। कई विभागों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। ऐसे में अभी एलयू के संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षाओं के चलते छात्रों की उपस्थिति कम रहने की उम्मीद है। क्योंकि अभी छात्र परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

i-NEXT PAGE 6

एक रेगुलर टीचर भी करा सकेंगे पीएचडी

हटाई गई दो शिक्षकों की निर्धारित अनिवार्यता

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (13 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी से संबद्ध डिग्री कॉलेजों में अब शिक्षकों की कमी की वजह से पीएचडी गाइड बनने की समस्या नहीं आएगी. अब कॉलेज के जिस विभाग में पीएचडी होनी है अगर वहां एक भी रेगुलर शिक्षक है और पीएचडी की योग्यता रखता है तो भी वह रिसर्च गाइड बन सकेगा. नए पीएचडी आर्डिनेंस-2020 में यह व्यवस्था की गई है.

450 सीटों पर हुए हैं एडमिशन

एलयू ने पिछले साल करीब 450 सीटों पर पीएचडी एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की थी. यह सभी एडमिशन 2018 अध्यादेश के अनुसार हुए थे. अब अध्यादेश को रिवाइज्ड करके कई नए बदलाव शामिल किए गए हैं.

नई प्रमोशन पॉलिसी

नई प्रमोशन पॉलिसी में अब शिक्षकों के रिसर्च पेपर, पीएचडी कराने सहित सभी चीजों के नंबर तय किए गए हैं. इससे उनकी एकेडमिक परफार्मेंस इंडीकेटर एपीआई तय होती है. अभी तक किसी कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रम चलता है तो संबंधित विभाग में कम से कम पीजी में दो रेगुलर शिक्षक होने पर ही यूनिवर्सिटी पीएचडी रिसर्च गाइड बनने की अनुमति मिलती थी. इससे जहां एक रेगुलर शिक्षक थे, वो पीएचडी नहीं करा पाते थे.

"नए पीएचडी आर्डिनेंस में प्रविधान किया गया है कि कॉलेज के पीजी विभाग में यदि एक शिक्षक जो पीएचडी कराने के लिए है तो वह रिसर्च गाइड बन सकेगा. दो शिक्षकों की अनिवार्यता को हटा दिया गया है. **प्रो. पूनम टंडन,** अधिष्ठाता छात्र कल्याण, एलयू

i-NEXT PAGE 3

आज से पुराने समय पर ही चलेंगे यूनिवर्सिटी-कॉलेज

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने जारी किए कॉलेजों को निर्देश

LUCKNOW (14 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी से संबद्ध सभी डिग्री कॉलेज एवं शिक्षण संस्थान सोमवार से पहले की तरह संचालित होंगे. अभी शेड्यूल बनाकर 50-50 फीसद छात्रों को कैंपस बुलाया जा रहा था. शासन से आदेश मिलने के बाद एलयू के प्रभारी कुल सचिव वीपी कौशल ने डिग्री कॉलेजों को इसके निर्देश जारी कर दिए हैं. अभी कॉलेजों में यूजी-पीजी के एग्जाम चल रहे हैं ऐसे में एग्जाम टाइम को छोड़कर कॉलेज कुछ क्लास ही अभी शुरू करेंगे.

कॉलेजों ने की तैयारियां

बप्पा श्रीनारायण वोकेशनल पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि सोमवार से सभी स्टूडेंट्स को कॉलेज बुलाया गया है. कालीचरण पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 8.50 से क्लास शुरू हो रही हैं. अब सभी को बुलाया गया है. जेएनपीजी कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. मीता शाह ने बताया कि सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन रखते हुए क्लास चलाई जाएंगी.

JAGRAN CITY PAGE IV

आज से महाविद्यालयों में सौ फीसद उपस्थिति

लविवि ने जारी किए निर्देश यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर के छात्रों की होगी पढ़ाई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालय एवं शिक्षण संस्थान सोमवार से पहले की तरह संचालित होंगे। अभी तक शेड्यूल बनाकर 50 फीसद छात्रों को आफलाइन बुलाया जा रहा था। अब शासन का आदेश मिलने के बाद विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव वीपी कौशल ने महाविद्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। कहा गया है कि कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए कालेज पूरी तरह से संचालित किए जाएं। उधर, कालेजों में यूजी-पीजी परीक्षाएं भी चल रही हैं। इसलिए परीक्षा समय को छोड़कर ही कालेज कुछ कक्षाएं शुरू करेंगे।

बप्पा श्रीनारायण वोकेशनल पीजी कालेज (केकेवी) के प्राचार्य प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि अभी तक स्नातक, परास्नातक प्रथम सेमेस्टर में 50 फीसद छात्र-छात्राओं की कक्षाएं शेड्यूल के अनुसार लग रहीं थीं। अब सोमवार से सभी को बुलाया गया है। कक्षाओं को भी सैनिटाइज करवा दिया गया है। कालेज में परीक्षाएं चल रही हैं। इसलिए यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक लगेंगी।

कोविड प्रोटोकाल के अनुसार चलेंगी कक्षाएं

कालीचरण पीजी कालेज के प्राचार्य डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 8.50 से कक्षाएं शुरू हो रही हैं, जिसमें यूजी और पीजी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का तीन-तीन दिन का शेड्यूल बना दिया था। अब सभी को बुलाया गया है। आफलाइन ही कक्षाएं चलेंगी। रविवार को कोई क्लास नहीं होगी। जेएनपीजी कालेज की प्राचार्य डा. मीता शाह ने बताया कि कोविड प्रोटोकाल के अनुसार शारीरिक दूरी को ध्यान में रखते हुए कक्षाएं संचालित होंगी। स्टाफ को भी निर्देश दिए गए हैं। डीएवी कालेज में कोविड प्रोटोकाल के अनुसार कक्षाएं चल रही हैं। मास्क के बिना एंट्री नहीं दी जाएगी। नवयुग कन्या महाविद्यालय में सोमवार से एमकाम सेमेस्टर-वन की क्लास आफलाइन शुरू हो जाएगी।

एक नियमित शिक्षक भी करा सकेंगे पीएचडी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में अब शिक्षकों की कमी की वजह से पीएचडी गाइड बनने की समस्या नहीं आएगी। अब कालेज के जिस पीजी कोर्स में पीएचडी होनी है। अगर वहां एक भी नियमित शिक्षक है और पीएचडी की योग्यता रखते हैं तो वह रिसर्च गाइड बन सकेंगे। नए पीएचडी आर्डिनेंस-2020 में यह व्यवस्था की गई है। कालेज शिक्षक काफी समय से इसकी मांग कर रहे थे।

लविवि ने पिछले साल करीब 450 सीटों पर पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया पूरी की थी। यह सभी दाखिले 2018 अध्यादेश के अनुसार हुए थे। अब अध्यादेश को रिवाइज्ड करके कई नए बदलाव शामिल किए गए हैं। दरअसल, नई प्रमोशन पालिसी में अब शिक्षकों के रिसर्च पेपर, पीएचडी कराने सहित सभी चीजों के नंबर तय किए गए हैं। इससे उनकी एकेडमिक परफार्मेंस इंडीकेटर (एपीआइ) तय होती है। अभी तक यदि किसी कालेज में पीजी पाठ्यक्रम संचालित होता है तो संबंधित विभाग में कम से कम पीजी में दो नियमित शिक्षक होने पर ही विश्वविद्यालय पीएचडी रिसर्च गाइड बनने की अनुमति देता था। इससे जहां एक नियमित शिक्षक थे, वो पीएचडी नहीं करा पाते थे। इससे प्रमोशन में उनका नुकसान होता था। वहीं, छात्र भी पीएचडी में दाखिला नहीं ले पाते थे। अब यह प्राविधान हटा दिया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के मुताबिक कालेज के शिक्षक रिसर्च गाइड बन सकते हैं।

"नए पीएचडी आर्डिनेंस में प्राविधान किया गया है कि कालेज के पीजी विभाग में यदि एक शिक्षक जो पीएचडी कराने के लिए अर्ह है तो वह रिसर्च गाइड बन सकेंगे। पहले दो शिक्षकों की अनिवार्यता को हटा दिया गया है। **प्रो. पूनम टंडन,** अधिष्ठाता छात्र कल्याण, लविवि

TOI PAGE 2

Colleges begin offline classes, but online option kept open

Times News Network

Lucknow: Most of the universities and colleges in the city will start full-fledged regular classes on the campus from Monday in sync with the state government's directive, but will continue with the online option for students who are still wary of Covid-19 situation.

In November, the state government had allowed higher education institutes to start offline classes by calling 50% students on alternate days. Now, as Covid-19 cases have come down drastically, the latest directives allow institutes to run regular classes with full strength, but after ensuring that there is adequate physical distance in the seating plan in the classroom and making all arrangements necessary as per Covid-19 protocol like sanitisation of classrooms, mandatory face cover and sanitisers.

Accordingly, LU has issued an order to all its 180 affiliated colleges to resume classes. Most of the college managements TOI spoke to said that they will start classes, but also continue with online options and gradually shift to complete offline mode. Colleges where examinations are underway said that they will resume classes after papers are over.

Officiating principal, Lucknow Christian College, Pranoti Singh said, "We will continue to offer online options because many outstation students have not been able to find a rented room in the city due to the pandemic situation". National PG College principal Nirja Singh said, "We will start regular classes, but on the request of some students will continue with online options."

The same pattern will be followed by Avadh Girls PG College and Isabella Thoburn PG College.

Khwaja Moinuddin Chishti Language University and Dr APJ Kalam Technical University authorities also said that they will gradually adopt the full offline mode. Ram Manohar Lohia National Law University spokesperson Alka Singh said, "We have a number of outstation students, hence we have to make arrangements in the hostels before resume offline classes, preparations for which are underway."

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

LU to open fully from today

LUCKNOW : After being closed for almost a year due to Covid-19, the Lucknow University (LU) will open fully from Monday.

The university, along with other higher education institutes, was allowed to open partially in November last year.

The decision to open the university completely came after the state government's directives regarding the same.

VP Kaushal, managing registrar, in a letter dated February 13 asked all head of departments and management of attached colleges to make arrangements for complete opening of the university from February 15.

LU Spokesperson Durgesh Srivastav said, "The university administration will put in measures suggested by the government inside varsity and hostels. All required protocols and guidelines to prevent spread of Covid will be followed."

The guidelines include putting in place sanitisers, thermal scanners and measures to ensure social distancing among students and staff.

Students and teaching staff have welcomed the decision. "We are waiting to attend classes and meet our professors. We miss being on campus with our friends," said Ansh Srivastav, an undergrad student of science department.

HTC